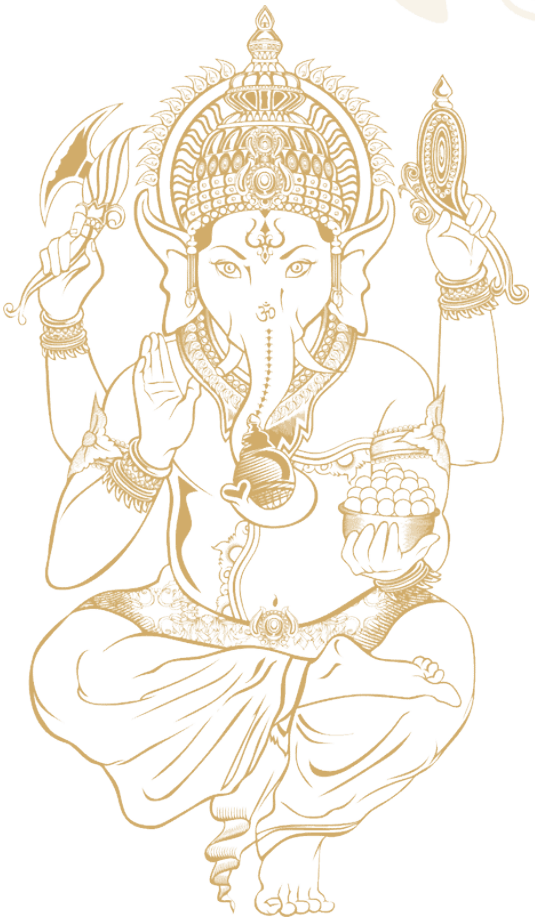

?????? ???????

06 Jun 2007

05:15 AM

Kashipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121856704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/06/2007**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**05:15:00 घंटे**
इष्ट	00:00:33 घटी
स्थान	**Kashipur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:13:00 उत्तर
रेखांश	78:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:14:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:00:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:26 घंटे
साम्पातिक काल	21:56:56 घंटे
सूर्योदय	05:14:46 घंटे
सूर्यास्त	19:10:49 घंटे
दिनमान	13:56:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:58:12 वृष
लग्न के अंश	20:00:45 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	20:00:45	362:32:27	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	---
सूर्य			वृष	20:58:12	00:57:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	19:28:18	13:16:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			मीन	22:08:15	00:44:40	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मित्र राशि
बुध			मिथु	13:53:57	00:44:00	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	20:56:44	00:07:39	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	06:16:24	00:58:48	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि			कर्क	26:04:51	00:04:34	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	16:59:22	00:02:58	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:59:22	00:02:58	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	24:36:15	00:00:51	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप	व		मक	28:02:03	00:00:23	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	04:01:21	00:01:31	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	03:03:44	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:44

लग्न-चलित

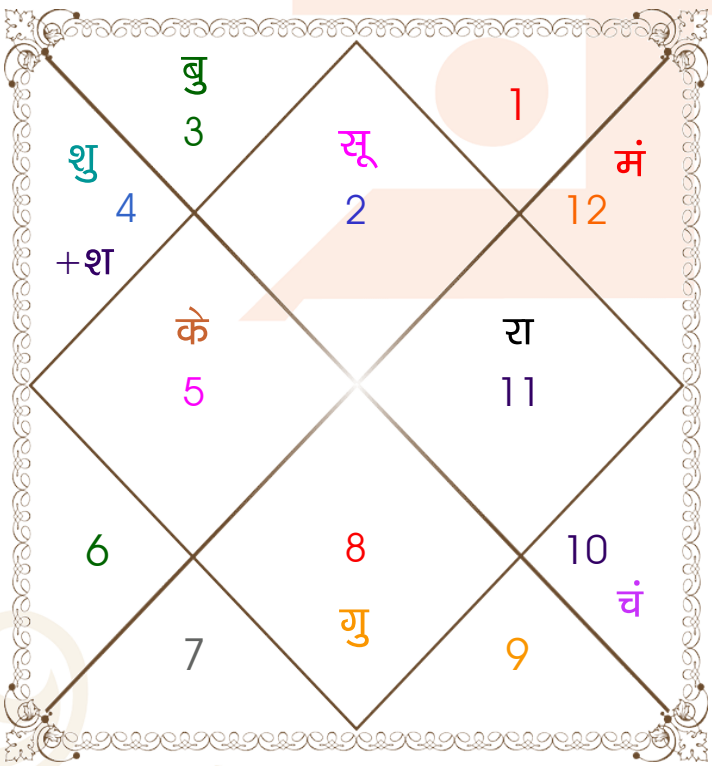

चन्द्र कुंडली

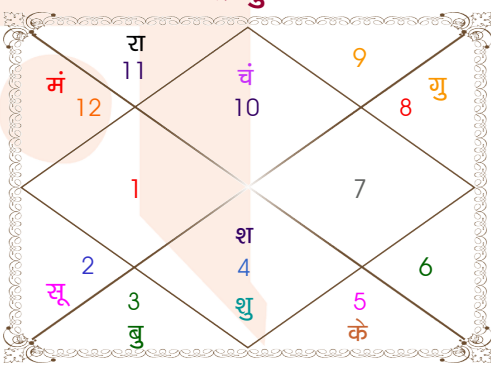

नवमांश कुंडली

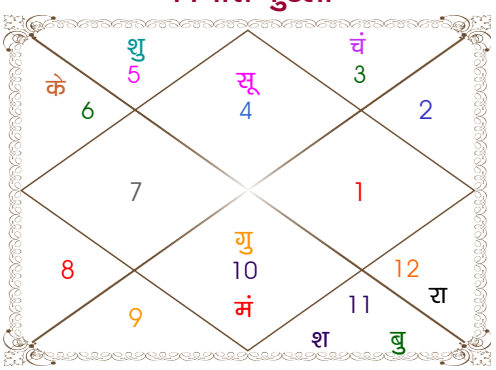

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 10 मास 22 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/06/2007		29/04/2010		28/04/2017		29/04/2035		29/04/2051	
29/04/2010		28/04/2017		29/04/2035		29/04/2051		29/04/2070	
	00/00/0000	मंगल	25/09/2010	राहु	09/01/2020	गुरु	16/06/2037	शनि	02/05/2054
	00/00/0000	राहु	13/10/2011	गुरु	04/06/2022	शनि	28/12/2039	बुध	09/01/2057
	00/00/0000	गुरु	18/09/2012	शनि	10/04/2025	बुध	04/04/2042	केतु	18/02/2058
	00/00/0000	शनि	28/10/2013	बुध	28/10/2027	केतु	11/03/2043	शुक्र	19/04/2061
	06/06/2007	बुध	25/10/2014	केतु	15/11/2028	शुक्र	09/11/2045	सूर्य	01/04/2062
बुध	29/07/2007	केतु	23/03/2015	शुक्र	16/11/2031	सूर्य	28/08/2046	चंद्र	31/10/2063
केतु	27/02/2008	शुक्र	22/05/2016	सूर्य	09/10/2032	चंद्र	28/12/2047	मंगल	09/12/2064
शुक्र	28/10/2009	सूर्य	27/09/2016	चंद्र	10/04/2034	मंगल	03/12/2048	राहु	16/10/2067
सूर्य	29/04/2010	चंद्र	28/04/2017	मंगल	29/04/2035	राहु	29/04/2051	गुरु	29/04/2070

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
29/04/2070		29/04/2087		29/04/2094		30/04/2114		29/04/2120	
29/04/2087		29/04/2094		30/04/2114		29/04/2120		00/00/0000	
बुध	24/09/2072	केतु	25/09/2087	शुक्र	28/08/2097	सूर्य	17/08/2114	चंद्र	27/02/2121
केतु	21/09/2073	शुक्र	24/11/2088	सूर्य	28/08/2098	चंद्र	16/02/2115	मंगल	28/09/2121
शुक्र	22/07/2076	सूर्य	01/04/2089	चंद्र	29/04/2100	मंगल	24/06/2115	राहु	30/03/2123
सूर्य	29/05/2077	चंद्र	31/10/2089	मंगल	29/06/2101	राहु	17/05/2116	गुरु	29/07/2124
चंद्र	28/10/2078	मंगल	29/03/2090	राहु	29/06/2104	गुरु	06/03/2117	शनि	28/02/2126
मंगल	25/10/2079	राहु	17/04/2091	गुरु	28/02/2107	शनि	15/02/2118	बुध	07/06/2127
राहु	14/05/2082	गुरु	23/03/2092	शनि	30/04/2110	बुध	23/12/2118		00/00/0000
गुरु	19/08/2084	शनि	01/05/2093	बुध	27/02/2113	केतु	30/04/2119		00/00/0000
शनि	29/04/2087	बुध	29/04/2094	केतु	30/04/2114	शुक्र	29/04/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 10 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।